‘जय श्री माताजी”

सहज ग्रामीण - राजस्थान, कार्य प्रगति सूचना
(15 अगस्त से 4 दिसंबर 2021)

‘जय श्री माताजी”

"परम् पूज्य श्री माताजी एकमेव कर्ता एवम एकमेव करविता आप ही है । आप ही के आशीर्वाद से राजस्थान में यह सहज ग्रामीण अभियान गतिमान हो रहा है । माँ हमारा सौभाग्य है आपने हमे इस कार्य हेतु चुना । माँ हमे सदा अपने श्रीचरणों में बनाये रखियेगा और हमे सन्तुलित रखते हुए हमसे सहज कार्य करवाते रहिएगा । ऐसी प्रार्थना आपके श्रीचरणों में रखते हुए इस प्रगति रिपोर्ट को आरम्भ करते है । "

सेवा में,
श्रीमान राष्ट्रीय समन्वयक,
सहज ग्रामीण मिशन - भारत

आदरणीय महोदय जैसा की विदित है राजस्थान हेतु राज्य समन्वयक की जिम्मेदारी मेरे को परम् पूज्यनीय श्रीमाताजी के आशीर्वाद से दिनांक 15 अगस्त 2021 से प्राप्त हुई है। इसी क्रम में बिंदुवार राजस्थान में हुए सहज ग्रामीण कार्यों की प्रगति सूचना आपके अवलोकनार्थ प्रस्तुत है।

• राजस्थान के 22 जिलों में जिला ग्रामीण / कृषि समन्वयकों की नियुक्तिं प्रक्रिया पूर्ण की गयी।

• दिनांक 31 अगस्त को राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले के ग्राम खजूरी में कृषक राधेश्याम जी के अमरूद के बाग में सहज कृषि को प्रारम्भ किया गया । सहज कृषि से पूर्व राधेश्याम जी बाग में और आस-पास के बागों में बीमारी फैली हुई थी । आज तीन माह बाद राधेश्याम जी का बाग पूर्णतः स्वस्थ है और आस-पास के बागों में बीमारी यथावत है ।

(सवाई माधोपुर में सहज कृषि का प्रारम्भ)

• नागौर जिले के मरोथ गाँव में सहजी कृषक श्री बनाराम जी के यहाँ नवम्बर माह में ग्रामीणों को सहजयोग की जानकारी आत्म साक्षात्कार प्रदान किया गया और सहज कृषि प्रारम्भ की गयी । बनाराम जी ने ग्वार मूंग और बाजरा किया ओर बेहद ही बेहतर नतीजे प्राप्त किये ।

(बनाराम जी अपनी फसल के साथ)

• बारां जिले के परोलिया ग्राम में सहजयोग की जानकारी और आत्मसाक्षात्कार दिया गया । इसी ग्राम के श्री नरेश साहू द्वारा सहज कृषि भी प्रारम्भ की गयी । अभी वर्तमान में नरेश जी द्वारा सोयाबीन की अच्छी फसल प्राप्त की गयी है।

(बारां जिले के परोलिया ग्राम के नरेश साहू की सोयाबीन)

• उदयपुर जिले के कानोड़ ग्राम में चल रहे सहज कृषि प्रोजेक्ट में फल और सब्जियों की रूपाई प्रारम्भ की गयी । ग्रामवासियों के लिए सहजयोग की जानकारी ओर आत्मसाक्षात्कार प्रदान किया गया। अभी वर्तमान में कानोड़ में ग्रामीणों के लिए नियमित ध्यान केंद्र प्रारम्भ कर दिया गया है जहां ध्यान और अन्य सभी सहजी गतिविधियों के साथ सहज कृषि की जानकारी भी सभी को दी जा रही है।

(सहज कृषि प्रोजेक्ट - कानोड़, उदयपुर)

• सीकर में कृषक भाई श्री महेंद्र जी द्वारा सहज कृषि आरम्भ की गयी और बेहतर नतीजे प्राप्त किये गए ।

• बूंदी जिले के बड़ी सादड़ी ग्राम में कृषक भाई श्री कमल जी द्वारा सहज कृषि से मक्का बोई गयी और बेहतर नतीजे प्राप्त किये गए ।

• अगस्त माह में कोटा जिले के अर्जुनपुरा गावँ में कृषक श्री छोटूलाल जी के खेत पर नए ग्रामीणों को आत्मसाक्षात्कार प्रदान किया गया ओर सहज कृषि की जानकारी दी गयी ।

(अर्जुनपुरा गांव में ध्यान और आत्मसाक्षात्कार)

• अगस्त माह में कोटा जिले के ग्राम अर्जुनपुरा में कृषक भाई श्री सतबीर गुर्जर को सहजयोग आत्मसाक्षात्कार प्रदान किया गया ओर सहज कृषि द्वारा गिलकी और बैंगन उनके खेत में किये गया।

(अर्जुनपुरा के सतबीर जी के खेत में सहज कृषि)

• 27 सितम्बर को राज्य के सभी समन्वयकों के साथ गूगल मीट का आयोजन रखा गया । इसमे सभी ने अपने अनमोल विचार रखे और आगे की कार्यप्रणाली पर मंथन हुआ ।

• सितम्बर माह में जैसलमेर जिले के ग्राम मुलाना में कृषक भाई गणपत जी ने सहज कृषि को प्रारम्भ किया।

• सितम्बर माह में बीकानेर जिले के सहजी भाई श्री अशोक जी द्वारा किचन गार्डन में सहज कृषि के प्रयोग किये गए और जबरदस्त नतीजे प्राप्त हुए।

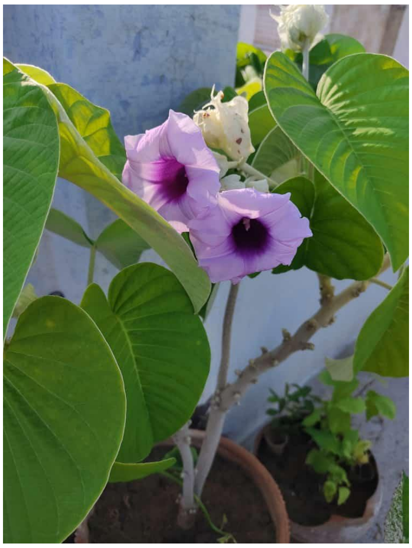

(विधारा फूल गमले में)

• 2 अक्टूबर को राजसमन्द जिले में श्री शमीम मोंगा द्वारा सहज कृषि को आरम्भ किया गया और इसके द्वारा चारा लगाया गया । शमीम जी के शब्दों में उनकी सीमित जगह में इतना चारा हुआ की शायद आस पास के 100 किलोमीटर में भी नही हुआ होगा ।

(राजसमंद जिले में सहज कृषि द्वारा किया गया चारा)

• 11 अक्टूबर को भरतपुर जिले के ग्राम तुहिया मे ग्रामीणों को सहजयोग की जानकारी दी गयी और आत्मसाक्षात्कार दिया गया ।इसी ग्राम के श्री हाकिम सिंह जी द्वारा सहजयोग कृषि को भी आरम्भ किया गया ।

• 19 अक्टूबर को कोटा जिले के ग्राम बोरखण्डी में सहजयोग आत्मसाक्षात्कार का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें लगभग 300 ग्रामवासियों को आत्म साक्षात्कार प्रदान किया गया। सभी को सहजयोग के लाभ बताए गए। सहज कृषि की जानकारी प्रदान की गयी। अभी वर्तमान में बोरखण्डी ग्राम में सहजयोग ध्यान केंद्र प्रारम्भ हो चुका है।

(बोरखंडी ग्राम में सहजयोग आत्म साक्षात्कार का कार्यक्रम)

• 20 अक्टूबर को दौसा जिले में कृषक सरदार जी गुर्जर द्वारा सहजयोग कृषि को आरम्भ किया गया।

• 23 अक्टूबर को बारां जिले के ग्राम मन्डोला में सहजयोग आत्म साक्षात्कार का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमे लगभग 50 से 60 ग्रामीणों को आत्म साक्षात्कार प्रदान किया गया। सभी को सहजयोग के सभी लाभ और सहज कृषि की जानकारी प्रदान की गयी।

(ग्राम मंडोला - जिला बारां , सार्वजिनक आत्मसाक्षात्कार)

• अक्टूबर माह में कोटा जिले में प्रथम बार ग्राम समन्वयक की नियुक्ति की गयी और श्री मुकेश सैन को ग्राम अर्जुनपुरा और ग्राम बोरखण्डी की जिम्मेदारी दी गई।

• 31 अक्टूबर - बांसवाड़ा जिले के ग्राम घतिपाड़ा में सहजयोग आत्मसाक्षात्कार का कार्यक्रम आयोजित किया गया । लगभग 40 ग्रामवासियों को आत्मसाक्षात्कार प्रदान किया गया । सहजयोग के लाभ सहज कृषि के लाभ बताए गए और सहज योग परिचय पुस्तिका का वितरण किया गया ।

(ग्राम घाटीपाड़ा जिला बांसवाड़ा में सार्वजनिक आत्मसाक्षात्कार)

• 1 नवम्बर - गंगानगर जिले की तहसील सूरतगढ़ के ग्राम सोमासर में सहजयोग आत्मसाक्षात्कार का कार्यक्रम आयोजित किया गया ओर लगभग 30 से 40 ग्रामीणों को आत्म साक्षात्कार प्रदान किया गया।

(ग्राम सोमासर जिला सूरतगढ़ में आत्मसाक्षात्कार)

• 12 नवम्बर - सहजयोग ग्रामीण (राज) का फेसबुक पेज तैयार किया गया । वर्तमान में पेज के लाइक्स लगभग 5000 के करीब हो चुके है ।

• 22 नवम्बर - नागौर जिले के ग्राम जोशीपुरा मरोथ में सहजयोग आत्मसाक्षात्कार का कार्यक्रम किया गया । लगभग 20 ग्रामीणों को आत्म साक्षात्कार करवाया गया ओर सहज कृषि की जानकारी दी गयी ।

• 26 नवम्बर - बारां जिले के ग्राम नाहरगढ़ में सार्वजनिक आत्म साक्षात्कार का कार्यक्रम आयोजित किया गया । लगभग 400 ग्रामवासियों को आत्मसाक्षात्कार प्रदान हुआ ओर सहज के लाभ बताए गए । अभी वर्तमान में ग्राम में नियमित ध्यान आरम्भ है ।

(नाहरगढ़ ग्राम - जिला बारां में सार्वजनिक आत्म साक्षात्कार)

• 27 नवम्बर - कोटा जिले की तहसील लाडपुरा के ग्राम ताथेड़ में सहजयोग आत्मसाक्षात्कार का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ । लगभग 300 ग्रामवासियों को आत्मसाक्षात्कार प्रदान किया गया । सहज कृषि समझाई गयी । वर्तमान में ताथेड़ ग्राम में नियमित ध्यान केंद्र प्रारम्भ हो चुका है ।

(ग्राम ताथेड़ - जिला कोटा में सार्वजनिक आत्म साक्षात्कार)

• 28 नवम्बर - गंगानगर जिले के ग्राम सोमसर में सहजयोग आत्मसाक्षात्कार का कार्यक्रम आयोजित किया गया ओर 25 से 30 ग्रामीणों को आत्म साक्षात्कार प्रदान हुआ। सभी को सहज के लाभ और सहज कृषि के फायदे भी बताएं गए।

• 30 नवम्बर - उदयपुर जिले के कानोड़ में स्थित सहज कृषि प्रोजेक्ट के ध्यान केंद्र में नए ग्रामवासियों को आत्म साक्षात्कार प्रदान किया गया। सहजयोग के लाभ ओर सहज कृषि बताई गयी और सामूहिक ध्यान हुआ।

(ग्राम कानोड़ - जिला उदयपुर में सार्वजनिक आत्म साक्षात्कार)

• 1 दिसम्बर - झुंझुनूं जिले के बबाई ग्राम में सहजयोग आत्म साक्षात्कार का कार्यक्रम हुआ जिसमे लगभग 800 ग्रामवासियों को आत्मसाक्षात्कार प्रदान किया गया। सहज के लाभ और सहज कृषि भी समझाई गई। अभी वर्तमान में ग्राम में नियमित ध्यान प्रारम्भ है।

अभी विगत चार माह की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत है । साथ ही यकीन है की आने वाले समय में सहज ग्रामीण मिशन का कार्य राजस्थान में और भी गति से आगे बढेगा ओर हम सब मिलकर इस परमेश्वरी सन्देश को राजस्थान के गाँव गाँव तक पहुँचाने में अवश्य सफल होंगे ।

इसी कामना के साथ

जय श्री माताजी

आपका
नवनीत त्रिपाठी
राज्य समन्वयक (ग्रामीण/कृषि)
89638 - 77777